ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-08-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-08-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-08-28	2024-08-29	2024-08-30	2024-08-31	2024-09-01
वर्षा (मिमी)	6.0	6.0	6.0	1.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	34.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	86	89	73	71	74
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	52	58	50	54
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	10	4	5	8
पवन दिशा (डिग्री)	160	111	127	122	168
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	8	7	5	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (20 से 26 अगस्त) इस क्षेत्र में 121.4 मिमी बारिश हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.5 से 34.0 डिग्री सेल्सियस और 23.1 से 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 78-97% और 64-86% के बीच रही, जबकि हवा 1.1 से 4.7 किमी प्रति घंटे की गति से पूर्व, पूर्व-उत्तर-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पूर्व, उत्तर-पूर्व और उत्तर-उत्तर-पूर्व से बही। पिछले सप्ताह कुछ दिन बादल छाए रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 27-31 अगस्त के बीच 1-6 मिमी हल्की बारिश हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0-35.0 डिग्री सेल्सियस और 25.0-26.0 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हवा दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से 4-10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। 28 अगस्त और 02 सितंबर को कई स्थानों पर और 27, 29-31 अगस्त और 01 सितंबर 2024 को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 27 से 29 अगस्त, 2024 तक कुछ स्थानों पर बिजली चमकने के साथ गरज के साथ बारिश/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश के बारे में पीली चेतावनी दी गयी है ।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 23.08.2024 से 29.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम तापमान तथा न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए उचित कृषि पद्धतियों को तदनुसार निर्धारित किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में कहीं-कहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
काला चना	ताजा बोए गए भूखंडों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए, जबकि पिछले महीने बोई गई फसल में खेती की गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
मूँग	ताजा बोए गए भूखंडों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए, जबकि पिछले महीने बोई गई फसल में खेती की गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। जिप्सम की शेष मात्रा तथा बोरेक्स की सम्पूर्ण मात्रा फसल की 3 सप्ताह की अवस्था में टॉप ड्रेसिंग के रूप में बिखेर कर प्रयोग करें तथा हल्की गुड़ाई करके 3 -4 से मी गहराई तक मिट्टि में भली प्रकार मिला ले। कोई भी रासायनिक छिड़काव तथा खेती गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गन्ना	आवश्यकताअनुसार फसल की दूसरी बंधाई कर लेनी चाहिए और वह पहली बंधाई के 50 से मी ऊपर होनी चाहिए। दो पंक्तियों के तीन थानों की बंधाई एक साथ (कैंची बंधाई) कर लेनी चाहिए। सफ़ेद गिडार/ कुरमुला कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी को 200 ग्राम/प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में प्रयोग करें। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और विशेष रूप से रासायनिक अनुप्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी की मध्य-मौसम किस्मों की रोपाई की जा सकती है और अगेती किस्मों में नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दू	पकी हुई कद्दू वर्गीय फसल को सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करना चाहिए तथा खड़ी फसल में अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर पत्तियों को पलट कर जांच करनी चाहिए तथा यदि पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग की फफूंद की वृद्धि हो तो उसे मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर के दर से नियंत्रित करना चाहिए।। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रसायन का छिड़काव करना चाहिए।
आम	इस माह आम में जाला बनाने वाला टेन्ट कैटरपिलर कीट का भी प्रकोप होता है इसलिए जाला छुड़ाने वाले यंत्र से जाले को साफ करे। एवं प्रभावित प्ररोहो को काटकर कीड़ो सहित जला दे। सारी खेती पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटूघोटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।
गाय	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटूघोटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।